श्री हरि नामाष्टकं

श्री हरि नामाष्टकं

श्री केशवाच्युत मुकुंद रथांगपाणे
गोविंद माधव जनार्दन दानवारे |
नारायणामरपते त्रिजगन्निवास
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 1 ||

श्रीदेवदेव मधुसूदन शार्ङ्गपाणे
दामोदरार्णवनिकेतन कैटभारे |
विश्वंभराभरणभूषित भूमिपाल
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 2 ||

श्रीपद्मलोचन गदाधर पद्मनाभ
पद्मेश पद्मपद पावन पद्मपाणे |
पीतांबरांबररुचे रुचिरावतार
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 3 ||

श्रीकांत कौस्तुभधरार्तिहराप्रमेय
विष्णो त्रिविक्रम महीधर धर्मसेतो |
वैकुंठवास वसुधाधिप वासुदेव
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 4 ||

श्रीनारसिंह नरकांतक कांतमूर्ते
लक्ष्मीपते गरुडवाहन शेषशायिन् |
केशिप्रणाशन सुकेश किरीटमौळे
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 5 ||

श्रीवत्सलांछन सुरर्षभ शंखपाणे
कल्पांतवारिधिविहार हरे मुरारे |
यज्ञेश यज्ञमय यज्ञभुगादिदेव
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 6 ||

श्रीराम रावणरिपो रघुवंशकेतो
सीतापते दशरथात्मज राजसिंह |
सुग्रीवमित्र मृगवेधक चापपाणे
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 7 ||

श्रीकृष्ण वृष्णिवर यादव राधिकेश
गोवर्धनोद्धरण कंसविनाश शौरे |
गोपाल वेणुधर पांडुसुतैकबंधो
जिह्वे जपेति सततं मधुराक्षराणि || 8 ||

इत्यष्टकं भगवतः सततं नरो यो
नामांकितं पठति नित्यमनन्यचेताः |
विष्णोः परं पदमुपैति पुनर्न जातु
मातुः पयोधररसं पिबतीह सत्यं || 9 ||

इति श्रीमत्परमहंस स्वामि ब्रह्मानंद विरचितं हरिनामाष्टकं |